

अपनी बात....

संपादकीय

एआई आधारित सुधार आजमाने लायक

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएँ लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएँ पैदा हुईं तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इन्वेषन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है।निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके। यानी तकनीक के साथ-साथ इंसानी निगरानी भी जरूरी होगी। इसके अलावा कंप्यूटर आधारित टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रस्तावित विस्तार पर उतना ही ध्यान देने की भी जरूरत होगी। हालांकि, वर्तमान में पहले से ही डेढ़ लाख टेस्टिंग सेंटर देश में मौजूद हैं। लेकिन लाखों उम्मीदवारों के लिये सुरक्षित इंटरनेट कनेक्टिविटी और गुणवत्ता के मानकों वाली परीक्षा सुविधाओं की भी जरूरत होगी। जाति की कमी से ग्रामीण इलाकों के छात्रों और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों के उम्मीदवारों को प्रतियोगिता परीक्षाओं के दौरान किसी तरह के नुकसान का सामना न करना पड़े । यहां उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी एक कमेटी ने सुरक्षा, प्रबंधन और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज पर कई अहम सुझाव दिए थे। इसके बावजूद, बाद में हुए विवादों, जिनमें 2026 का नीट पेपर लीक प्रकरण भी शामिल है, ने सिफारिशों को लागू करने में गंभीर खामियों को ही उजागर किया है। किसी भी एक और कमेटी बनाने से तब तक कोई विशेष लाभ नहीं हो सकता है, जब तक कि उसके सुझावों को ठोस और मापने योग्य कार्रवाई में नहीं बदल दिया जाता है।

बुद्धिजीवियों के संसार में राम और रावण कौन..!



प्रकाश राज और नासिरुद्दीन साहब ऐसे ही एथिकलेस ह्यूमन बिज़ंग है तो सवाल यह है कि पौधे में चेतना सही है तो इंसानो कि चेतना का क्या हुआ? हममें नैतिकता क्यों नहीं? क्या चेतना केवल शासन है, या चयनात्मक धर्मिकि है ? या भगवान राम ने इसे सर्वजीव के निमित्त बनाया है।पौधे में सर्विवल कंस्प्युशियसनेस होती है वह रोशनी, खतरा, याददाश्त सब पकड़ लेता है। इंसान में वही सब आजकल मिसिंग है। साथ में एक और चीज है सेलेक्टिव एथिकल कंस्प्युशियसनेस। हम जानते हैं कि क्या गलत है, पर हम तय करते हैं कि किसके लिए गलत है। अपने कुत्ते के लिए हमारे पास दया है, सड़क

भक्ति के चमत्कार ने भरी बॉलीवुड की झोली (“हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम...)



फिल्म ‘सुह्रग’ जब आयी तो एंग्री यंग मैन का जमाना था और सिनेमा का वह दौर था जब गांव-गांव में फेन्ट् टाकीज लगते थे। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की

प्रमुखता वाली इस फिल्म का गीत- ‘हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली,ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।’ मोहम्मद रफ़ी तथा आशा भोंसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको आँट टाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। फिल्म ‘क्रांति’ का ‘दुर्गा’ है मेरी मां,अंबे है मेरी मां’ और ‘क्रांतिवीर’ का ‘जय अंबे जगदंबे मां..’ भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। ‘मद’ में अनु मलिक तथा शम्बीर कुमार

का गाना हुआ गीत ‘मां शेरोंवाली’ उस समय खूब चला था जब यह मूवी आयी थी। फिल्मकारों की झोली में हमेशा से भक्ति की शक्ति भरी रही है। जब कभी उसे लगा कि पर्दे पर भीड़ खींचनी है, तो उसने कभी शेरोंवाली को, कभी दुर्गा को, कभी माता संतोषी तो कभी मां वैष्णो को पुकारा। बॉलीवुड कलाकारों ने भी इसे जमकर भुनाया। माता की भक्ति में रमे गीत फिल्म को हिट करने का फार्मूला बन गए।धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब मूवी बनती है, तो उसे देखने के नफ़ रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस मूवी का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड में स्तुति हुई है

पर कुछ को अधिक समय दिया गया है। यानी दर्शकों को उसे अधिक तथा ग्लैमर के साथ दिखाया गया है। मां दुर्गा या उसके दूसरे रूपों को बॉलीवुड ने न सिर्फ़ फेमस किया बल्कि उनकी लोकप्रियता को खूब भुनाया। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें एक गीत या भजन ने जान डाल दी। ‘अवतार’, ‘आशा’ और ‘सुह्रग’ ऐसी फिल्मों में सबसे ऊपर हैं।बॉलीवुड में सिर्फ़ हीरो-हीरोइन के प्रेम और मारपीट या मिलने-बिछड़ने तक की प्रतिस्पर्धा रही, यह सोचना गलत है। इसके निमाताओं की झोली में हमेशा से शक्ति की भक्ति भरी रहती है। जब कभी उसे लगा कि रुपहले पर्दे पर भीड़ खींचनी है, तो उसने मां को पुकारा – कभी उसने शेरोंवाली को, कभी दुर्गा, कभी

माता संतोषी तो कभी वैष्णो को। एक समय ऐसा आया जब घर-घर में टेपरिकॉर्ड चलते थे। तब तो बस हर कहीं माता के जगराते या नृत्य प्रधान गीत आ गए। अगर कुछ बचा तो वह यात्राओं के नाम पर आया। बॉलीवुड कलाकारों ने इसे जमकर भुनाया। समीक्षक मानते हैं कि ये सिर्फ़ गीत नहीं थे, ये तो मायापुरी अथवा बॉलीवुड की वह डोर थी, जिसने बुकिंग बिंडो पर मारपीट ता रोमांस के साथ ही भक्ति को भी भुनाया।माता दुर्गा के अनेक रूप हैं जिन्हें बॉलीवुड ने जब-तब दर्शकों के सामने पेश किया। फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत समाहित किया जा सके व दर्शकों की आंखें नम हो जाएं।

एकता के रंग

हमें इस बात पर गर्व करना चाहिए कि हमारा भारत बहुधर्मी है। और गर्व इस बात पर भी करना चाहिए कि अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर बसने वाले स्वयं को हिंदू-मुसलमान से पहले ईसान समझना चाहते हैं। यही बात हर भारतीय को...

हमें इस बात पर गर्व करना चाहिए कि हमारा भारत बहुधर्मी है। और गर्व इस बात पर भी करना चाहिए कि अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर बसने वाले स्वयं को हिंदू-मुसलमान से पहले ईसान समझना चाहते हैं। यही बात हर भारतीय को समझनी होगी।सारे मोहल्ले में त्योहार का माहौल है। दुर्गापूजा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यहां के युवा पूरे जोर-शोर से लगे हुए हैं—इस संकल्प के साथ कि कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के इस मोहल्ले का नाम है अलीमुद्दीन स्ट्रीट। मुस्लिम-बहुल इलाके में सालों से दुर्गापूजा की तैयारियां इसी जोश-खरोश के साथ होती थीं। फिर मनमुटाव की कुछ घटनाएं हुईं और पूजा का यह ऋम टूट गया था। पांच साल पहले फिर शुरू हो गया और अब यह जोश साल-दर-साल बढ़ता ही दिख रहा है। विशेषता यह भी है कि तैयारियों में आगे बढ़कर हाथ बंटाने वालों में ज्यादातर युवा मुसलमान हैं। यहां पूजा पूरे विधि-विधान से होती है—और हिंदू-मुसलमान मिलकर करते हैं!

साझा संस्कृति का यह दृश्य कोलकाता के इसी मोहल्ले में नहीं दिख रहा। आस-पास के इलाकों में न जाने कब से यह परंपरा चली आ रही है। दुर्गापूजा के अवसर पर पूरे बंगाल में ऐसे दृश्य दिख जाते हैं। हरदिया में मां दुर्गा की प्रतिमा बनाने वालों में मुस्लिम कारीगर सबसे आगे हैं। और यह काम पूरी श्रद्धा के साथ होता है। हिंदू पड़ोसियों के साथ मिल-जुलकर अल्पना सजानी मुस्लिम महिलाएं दिख जाना तो एक आम बात है। मुर्शिदाबाद में तो मां दुर्गा की पूजा की शुरुआत ही मुस्लिम परिवार के चढ़ावे से होती है।अस्सी प्रतिशत और बीस प्रतिशत की राजनीति के माहौल में, जहां पहले हुए कपड़ों के आधार पर व्यक्ति को पहचानने की बातें की जाती हैं, वहां भाईचारे के इस तरह के दृश्य सुख देने वाले हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह के दृश्य दिख जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हां, कम जरूर दिखते हैं अब ऐसे दृश्य, पर यह ‘कम’ भी बड़ा आश्वासन देने वाला है। बहुधर्मी देश है हमारा। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां सभी धर्मो को मानने वाले लोग सदियों से एक साथ रहते आए हैं। और इस साथ-साथ का मतलब कोलकाता का मुस्लिम-बहुल इलाका, अलीमुद्दीन स्ट्रीट, समझा रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि धार्मिक भाईचारे की यह गंगा-जमुनी परंपरा अक्सर टूटती भी दिख जाती है। कष्ट होता है यह देखकर।सारे देश में मनाया जाता है दुर्गापूजा का यह त्योहार। पूरे दस दिन तक गरबा कार्यक्रमों की धूम रहती है। कोलकाता की अलीमुद्दीन स्ट्रीट जैसे दृश्य देश के दूसरे महानगर, मुंबई, में भी दिख जाते हैं। सभी धर्मों के मानने वालों का गरबा में हिस्सा लेना एक सामान्य बात थी। पचास साल पहले जब मैं मुंबई आया था, तो पहली बार मैंने गरबा के एक शानदार कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। आयोजन देखने वालों में मैंने मुसलमानों को भी देखा था। किसी के आने-जाने पर प्रतिबंध नहीं था। पर पिछले एक अर्से में इस परंपरा में भी बदलाव आया है।



खुलेआम कहा जा रहा है कि गैर-हिंदुओं को इसमें भाग नहीं लेना चाहिए। देश के एक वरिष्ठ राजनेता ने तो स्पष्ट घोषणा कर दी है कि यदि संप्रदाय विशेष के लोगों को गरबा में भाग लेना है, तो उन्हें ‘घर-वापसी’ करनी होगी। ऐसे सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रम में असामाजिक तत्वों की घुसपैठ को रोकने की बात तो समझ आती है, पर यह कहना कहाँ तक उचित है कि गैर-हिंदू ही असामाजिक तत्व हैं? और फिर इस बात का क्या तुक है कि ‘घर-वापसी’ करने वाला असामाजिक तत्व नहीं रहेगा? आवश्यकता इस बीमार सोच को बदलने की है कि धर्म के आधार पर व्यक्ति की नीयत को समझा जा सकता है।घर-वापसी वाली यह बात अब अक्सर होने लगी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के अधिकांश मुसलमानों के पूर्वज हिंदू थे, पर इस तर्क का क्या आधार है कि फिर से हिंदू धर्म अपनाने से कोई असामाजिक तत्व बेहतर इंसान बन जाएगा? धर्म के आधार पर व्यक्ति को अच्छा-बुरा इंसान मानने-बनाने की मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। बरसों पहले एक फ़िल्म देखी थी, जिसमें एक बच्चे को गाना सुनाकर यह बताया जा रहा था कि उसकी सही पहचान उसका इंसान होना ही है—‘तू हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा/इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।’

यह इंसान होना ही व्यक्ति की सच्ची और पहली पहचान है। कोई भी व्यक्ति हिंदू या मुसलमान होने से पहले ‘कुछ’ तो था। इस ‘कुछ’ को समझने की आवश्यकता है। यही ‘कुछ’ व्यक्ति के इंसान होने की पहचान है। आज आवश्यकता इस पहचान को बनाए रखने की है—‘मंदिर-मस्जिद तो बाद के हैं/हम उससे पहले भी तो थे/हम उससे पहले जो भी थे/उस सच को जिंदा रखना है।’ आज इस ‘सच’ को समझने की आवश्यकता है—यह सच हमें बताता है कि हमारा हिंदू या मुसलमान होना, अथवा सिख या ईसाई होना, एक संयोग मात्र है। मेरा जन्म जिस परिवार में हुआ, वह मेरे धर्म का आधार बन जाता है, पर व्यक्ति के इंसान होने और

इंसान बने रहने की कोशिश करनी पड़ती है।

जब कोई मुसलमान पूरी निष्ठा और आस्था के साथ मां दुर्गा की मूर्ति बनाता है, तो वह अपने इंसान होने का प्रमाण दे रहा होता है और यही बात उस हिंदू मां पर भी लागू होती है, जो अपने बेटे को ताजिए के जुलूस में ले जाकर उसकी बेहतरी की दुआ करती है।बहरहाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कुछ अर्सा पहले न्यूयॉर्क के एक सम्मेलन में कहा था कि ‘जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर निकाल देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता।’ उन्होंने यह भी कहा था कि हिंदू शब्द को एक विशेष भाषा, पूजा-पद्धति या जीवन-शैली तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसमें इंसानों की तमाम विविधताएं शामिल हैं। इस विविधता का सम्मान होना चाहिए। यह विविधता इंसान की ताकत है। मोहन भागवत की किसी बात से आप असहमत हो सकते हैं, पर उनकी यह बात सोचने के लिए बाध्य करने वाली है कि भारत में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति हिंदू है। इस हिंदू को भारतीय कहकर हम अनावश्यक विवादों से बच सकते हैं। हमें इस बात पर गर्व करना चाहिए कि हमारा भारत बहुधर्मी है। और गर्व इस बात पर भी करना चाहिए कि अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर बसने वाले स्वयं को हिंदू-मुसलमान से पहले इंसान समझना चाहते हैं। यही बात हर भारतीय को समझनी होगी।

‘ईश्वर-अल्लाह तेरा नाम’ कहने वाले गांधी ने हमें एक इंसान की तरह जीने का रास्ता दिखाया था। आज उस राह पर चलने की आवश्यकता है। यह देश का दुर्भाग्य ही होगा यदि ईश्वर के साथ अल्लाह को जोड़ने वाले गांधी को समझने के बजाय हम इस बात की शिकायत करें कि नरसी के भजन में गांधी ने यह पंक्ति क्यों जोड़ दी? हमारा भारत तो ‘ईश्वर एक है’ का संदेश देता है, तो फिर धर्म के नाम पर बांटने की कोशिशों को साजिश क्यों न माना जाए? यह सवाल हर सच्चे भारतीय को अपने आप से पूछना होगा।



अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज़ आपके साथ है। आपकी खबर शत प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फ़ोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहको/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज़ समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज़ के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज़ राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज़ चैनल (पोल्ल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com

सड़क मरम्मत की रिपोर्ट और मौके की स्थिति में अंतर मिला तो नपेंगे जिम्मेदार अधिकारी : डीएम

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने प्रारंभ कराया भूमि पूजन कर कार्य

» जिलाधिकारी के निर्देश पर नोडल अधिकारी करेंगे सड़कों की गुणवत्ता जांच, जीपीएस फोटो और वीडियो के साथ सौंपेंगे रिपोर्ट

» पीडब्ल्यूडी एवं नगर निगम की सड़कों की समीक्षा, निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में गलत रिपोर्टिंग अब नहीं चलेगी। संबंधित विभागों ने जिस सड़क का कार्य पूर्ण होने की रिपोर्ट दी है, स्थलीय सत्यापन में वहां कार्य अधूरा या नहीं मिला तो संबंधित अधिशासी अभियंता के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने सड़क निर्माण, मरम्मत एवं पैचवर्क कार्यों की समीक्षा के दौरान गुणवत्ता जांच के लिए जनपद स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। ये अधिकारी सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कर जीपीएस आधारित फोटो एवं वीडियो सहित सत्यापन रिपोर्ट सौंपेंगे।

रोजगार मेले में 1273 अभ्यर्थी चयनित, 10 हजार से 35 हजार रुपये तक मिलेगा मासिक वेतन



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय, कानपुर तथा राजकीय पालीटेक्निक, विकास नगर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय पालीटेक्निक परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी एवं विशिष्ट अतिथि कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर राजकीय पालीटेक्निक के प्रधानाचार्य अरुण कुमार वर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों, नियोजकों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि शिक्षा की सार्थकता युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में है। मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और मुख्यमंत्री के हर युवा को संबल, हर हाथ को काम के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि सेवायोजन कार्यालय द्वारा आयोजित रोजगार मेले युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनके करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित कानपुर का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब स्थानीय युवाओं को जनपद में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। विशिष्ट अतिथि विधायक नीलिमा कटियार

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में सोमवार को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के उपरांत मतदाता सूची में पंजीकरण से छूटे हुए तथा प्रथम बार एवं युवा मतदाताओं के नाम सम्मिलित कराने के लिए संचालित किए जाने वाले विशेष अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि आयोग की मंशा है कि निर्वाचक नामावली पूरी तरह निर्विवाद, त्रुटिरहित एवं शुद्ध हो तथा कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली जनपद की एनआईसी वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसका कोई भी व्यक्ति अवलोकन कर सकता है। बूथवार आंकड़े भी राजनीतिक दलों के साथ साझा किए जा चुके हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे मतदाता सूची का



अस्पतालखोजें

जिलाधिकारी सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, सेतु निगम एवं अन्य संबंधित विभागों की सड़कों के निर्माण, मरम्मत एवं पैचवर्क कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि नोडल अधिकारी स्थलीय निरीक्षण के दौरान कार्य की वास्तविक स्थिति, सड़क के आवागमन योग्य होने तथा निर्माण की गुणवत्ता का सत्यापन करेंगे।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता अनूप मिश्रा ने बताया कि चार मार्गों पर सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा है, जबकि छह सड़कों का नवीनीकरण 30 अक्टूबर तक पूर्ण कर लिया

जाएगा। इसके अतिरिक्त 26 सड़कों को आगामी दस दिनों में आवागमन योग्य बना दिया जाएगा। निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता खंडेश्वर प्रसाद ने बताया कि 12 सड़कों का नवीनीकरण 30 अक्टूबर तक पूर्ण हो जाएगा। नौ सड़कों पर पैचवर्क पूरा हो चुका है, जबकि आठ पर कार्य प्रगति पर है। पांच अन्य सड़कों के कार्यों में अंतरविभागीय समन्वय की आवश्यकता पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन को संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग खंड की समीक्षा में अधिशासी अभियंता जयंत ने बताया कि जीटी रोड के 18 किलोमीटर

लंबे हिस्से में अब केवल 1.5 किलोमीटर पर पैचवर्क शेष है, जिसे शीघ्र पूर्ण करा लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने नगर निगम की सड़कों की जोनवार समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त को क्षतिग्रस्त सड़कों का पैच वर्क एवं नवीनीकरण कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जोनों में सड़क सुधार कार्यों की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने तथा सड़कवार डिजिटल विवरण तैयार कराने को कहा। जिन सड़कों पर कार्य पूर्ण होने की सूचना दी गई है, उनका स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों की टेंडर प्रक्रिया लंबित है, उसे शीघ्र पूर्ण करारक कार्य प्रारंभ कराया जाए। क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर आवागमन योग्य बनाया जाए तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूरे हों, जिससे आमजन को सुविधा एवं सुगम यातायात की सुविधा मिल सके। बैठक में नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ सिंह सहित लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम, नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बदहाल व्यवस्थाओं और सरकारी स्कूलों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का जिलाधिकारी को ज्ञापन

तत्काल कार्रवाई का आश्वासन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी कानपुर नगर को ज्ञापन सौंपकर शहर की बदहाल नागरिक व्यवस्थाओं एवं जनसमस्याओं के समाधान की मांग की। शहरखोजें ज्ञापन में शहर की गड़बड़ सड़कों की तत्काल मरम्मत, जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों की सफाई, आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान, भीषण ट्रैफिक जाम से राहत तथा सरकारी विद्यालयों में डेस्क-बेंच, फर्नीचर एवं अन्य



बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही, सरकारी विद्यालयों के लिए आवश्यक धनराशि एवं बजट समय पर जारी कराने और आगामी त्योहारों के मद्देनजर विशेष सफाई एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। जिलाधिकारी ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों

गंभीरता से सुनीं और प्रत्येक मुद्दे पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष रूप से सड़कों की मरम्मत, सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया। साथ ही, आगामी त्योहारों के दौरान आम जनता को



कम से कम पेशानी हो, इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस जनहित के मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और जनता को राहत मिलने तक इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहेगी। इस दौरान पूर्व विधायक संजीव

दरियाबादी, नरेश त्रिपाठी, राकेश साहू, पदम मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, इकलाख डेविड, मनोज दुबे, शान्तनु दीक्षित, संजय शाह, जितेंद्र ब्रह्म, विनोद अवस्थी, इस्लाम सिद्दीकी, राजेश खन्ना, मोहम्मद सैफ, अमिताभ मिश्रा, आशुतोष शुक्ला, रामजी दुबे, दिनेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज-6 के दृष्टिगत नारी शक्ति एवं यातायात जागरूकता अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नवरात्रि के पावन पर्व पर नारी शक्ति के सम्मान एवं महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत महिला यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात का संचालन किया जा रहा है। ट्रेफिकनियम पढ़ें अभियान में एनसीसी



गर्ल्स विंग की छात्राएँ भी सक्रिय सहभागिता कर रही हैं। उन्हें यातायात नियमों, संकेतों एवं सुरक्षित यातायात संचालन की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है, जिससे वे यातायात व्यवस्था को समझने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा

के प्रति जागरूक भी हो सकें। पुलिस उपायुक्त यातायात अभय नाथ त्रिपाठी ने कहा यह पहल यातायात जागरूकता, सड़क सुरक्षा एवं नारी शक्ति के आत्मविश्वास को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।



अवलोकन करें और यदि किसी प्रकार की त्रुटि अथवा विरंगति संज्ञान में आती है तो संबंधित निर्वाचक

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) से संपर्क कर नियमानुसार उसका सुधार कराएं। उन्होंने कहा कि मतदाता

सूची का शुद्धीकरण एक सतत प्रक्रिया है। बैठक में बताया गया कि आयोग के निर्देशानुसार बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा 10 अप्रैल 2026 को अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची का मिलान विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से पूर्व 07 जनवरी 2025 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची एवं पूरक सूचियों से किया जाएगा। इस दौरान ऐसे मतदाताओं को चिह्नित किया जाएगा, जिनके नाम पूर्व की सूची में थे, लेकिन वर्तमान सूची में सम्मिलित नहीं हैं। उनकी वर्तमान स्थिति का सत्यापन बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से अपेक्षा की कि वे अपने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को सक्रिय करते हुए बीएलओ के साथ समन्वय बढ़ाएं। विशेष रूप से छूटे हुए पात्र नागरिकों, 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं, दिव्यांगजनों, बेघर नागरिकों, बुजुर्गों तथा महिला मतदाताओं के पंजीकरण में सहयोग करें। अभियान के दौरान बीएलओ द्वारा पात्र नागरिकों के फॉर्म-6 भरवाए जाएंगे तथा चिह्नित मतदाताओं की सूची बीएलए के साथ भी साझा की जाएगी। नक्शेदेखें

बैठक में अवगत कराया गया कि आयोग के निर्देशों के

क्रम में बूथ स्तर पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। रात्रि आश्रयों, श्रमिक बस्तियों, आश्रयहीन एवं वंचित वर्गों के पात्र नागरिकों के पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिक्षण संस्थानों एवं स्वीप गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी। नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 तथा नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 का प्रावधान है। आवेदन संबंधित बीएलओ, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अथवा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट एवं श्वष्ट्रदृढ़ध्वज ऐप के माध्यम से किया जा सकता है।

बैठक में बताया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के गणना चरण में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुलीकेट मतदाताओं की सूचियां तैयार कर राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई थीं। इसके उपरांत 06 जनवरी 2026 को आलेख्य निर्वाचक नामावली तथा दावों एवं आपत्तियों के निस्तारण के बाद 10 अप्रैल 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक चतुर्वेदी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अजय श्रीवास्तव सहित भाजपा, कांग्रेस, बसपा, सपा, अपना दल एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत खाद्य विभाग टीम द्वारा लगातार की जा रही छापेमारी

- » 12 ई-कॉमर्स स्टोर एवं वेयरहाउस का औचक निरीक्षण
- » 15 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत आमजनमानस को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापरक खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशानुसार जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रदेशव्यापी 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के अंतर्गत सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय संजय प्रताप सिंह के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की सचल टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित ई-कॉमर्स स्टोर एवं वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया गया।

अभियान के दौरान बिग बास्केट पनकी, इंस्टामार्ट किरदवाई नगर, ब्लिंकिट लाजपत नगर, जेप्टो स्वरूप नगर, जेप्टो नवाबगंज, ब्लिंकिट हरजेंद्र नगर लालबंगला, जेप्टो जाजमऊ, फिलरकार्ट जाजमऊ, इंस्टामार्ट काकादेव, अमेजन जूही, ब्लिंक कॉमर्स गांधीनगर तथा आरआर विजन वेंचर जूही कला सहित कुल 12 ई-कॉमर्स खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा



अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से त्रत एवं त्योहारों में उपयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, भंडारण व्यवस्था, स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई। संदेह के आधार पर कुड़ू आटा, सिंघाड़ा आटा, साबूदाना, सोधा नमक, मूंगफली, छुहरा एवं शहद सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 15 नमूने संग्रहित कर विश्लेषण हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए।

निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कमियां पाई गईं। संबंधित प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराए गए, खाद्य एवं अखाद्य पदार्थ एक साथ रखे पाए गए तथा क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके अतिरिक्त पेस्ट कंट्रोल संबंधी अभिलेखों का अभाव एवं साफ-सफाई में कमियां भी पाई गईं।

कुछ प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों का रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। परिसर में टाइल्स टूटी होने, भंडारण रैक में गंग लगे होने तथा स्वच्छता व्यवस्था में कमी मिलने

पर संबंधित प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी कर निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं अन्य निरीक्षित प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई एवं व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मिठाई निर्माण एवं विक्रय से संबंधित प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान संचालकों को मिठाइयों की निर्माण तिथि, उपयोग अवधि तथा निर्माण में प्रयुक्त कुकिंग मीडियम की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, ताकि उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं उपयोग अवधि के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सके।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि संग्रहित नमूनों की प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दौरान आमजनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं



प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

आरटीई के तहत दाखिला दें या मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई के लिए तैयार रहें : एडीएम सिटी

» बच्चों को प्रवेश न देने वाले 20 प्रमुख निजी विद्यालयों को सख्त चेतावनी, एडीएम सिटी सौरभ सिंह ने की समीक्षा, आवंटित बच्चों का तत्काल प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आवंटित बच्चों को प्रवेश देने में आनाकानी करने वाले निजी विद्यालयों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में ऐसे 20 प्रमुख निजी विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को बुलाकर सख्त चेतावनी दी गई, जिनमें आरटीई के तहत आवंटित बच्चों का प्रवेश अब तक लंबित है। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि संबंधित विद्यालय तत्काल बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके विरुद्ध मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आरटीई के तहत पात्र बच्चों को प्रवेश देना संबंधित विद्यालयों का वैधानिक दायित्व है। विद्यालय आवंटित होने के बावजूद बच्चों को प्रवेश के लिए परेशान करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। विद्यालय प्रबंधन शासन के निर्देशों के अनुरूप लंबित प्रवेश तत्काल सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की मनमानी, टालमटोल अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में शैक्षिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(ग) के तहत अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों के प्रवेश की स्थिति की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। आरटीई के तहत विद्यालय आवंटित होने के बाद भी किसी पात्र बच्चे को उसके शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

आरटीई के तहत बच्चों का प्रवेश लंबित रखने वाले डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर एन ब्लॉक किरदवाई



नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर ए-2 ब्लॉक किरदवाई नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर रयाम नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर जाजमऊ, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल कल्याणपुर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल कैट, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल गोविंद नगर, कैम्ब्रिज हाईस्कूल सिविल लाइंस, एनएलके पब्लिक स्कूल विष्णुपुरी, एनएलके पब्लिक स्कूल लिटिल स्टेप जवाहर नगर, एनएलके वेद स्कूल खलासी लाइन, तेजस हाईस्कूल नागरजी, ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल रूमा, ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल खलासी लाइन, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल कैट, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल मैनावती मार्ग, चिल्ड्रन्स स्कूल रतनलाल नगर, यूनाइटेड पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस तथा डीपीएस कल्याणपुर को चेतावनी देते हुए आरटीई के तहत आवंटित बच्चों का प्रवेश तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

«जिलाधिकारी महोदय के समक्ष जनता दर्शन में प्रायः ऐसी शिकायतें आती हैं कि कुछ निजी विद्यालय आरटीई के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को प्रवेश नहीं दे रहे हैं। ऐसे विद्यालयों को सख्त चेतावनी दी गई है कि वे आवंटित बच्चों का तत्काल प्रवेश सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके विरुद्ध मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।»

छात्रवृत्ति के पात्र विद्यार्थियों को समय से मिले लाभ सत्यापन प्रक्रिया में लाई जाए तेजी: जिलाधिकारी

» जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने की छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा, शिक्षण संस्थानों को समयबद्ध सत्यापन के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आज सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के सत्यापन एवं अग्रसारण की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शिक्षण संस्थान आवेदन पत्रों का सत्यापन निर्धारित समयसीमा में पूरा करें, जिससे पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ समय से मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्गों के विद्यार्थियों की शिक्षा में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करती है। किसी भी पात्र विद्यार्थी को सत्यापन में अनावश्यक विलंब के कारण



में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, डिप्टी कलेक्टर/प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी वीरपाल तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

योजना के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने तथा अभिलेख संबंधी त्रुटियों का नियमानुसार समाधान कराने के निर्देश दिए।बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिक्षण संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर सत्यापन एवं अग्रसारण की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र विद्यार्थियों को शासन की मंशा के अनुरूप समय से छात्रवृत्ति का लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए।बैठक

इस व्यवस्था का उद्देश्य संवेदनशील प्रकरणों में अनावश्यक विलंब रोकने के साथ विवादों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनता दर्शन में गंभीर और संवेदनशील शिकायतें लेकर पहुंचने वाले फरियादियों को अब निस्तारण के लिए बार-बार अधिकारियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने ऐसी शिकायतों पर त्वरित स्थलीय कार्रवाई के लिए क्रिक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) गठित की है। राजस्व और पुलिस की यह छह सदस्यीय संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण कराएगी।

इस व्यवस्था का उद्देश्य संवेदनशील प्रकरणों में अनावश्यक विलंब रोकने के साथ विवादों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण

समाधान सुनिश्चित करना है।जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 बजे के बाद टीम पूर्व दिवस में चिह्नित संवेदनशील एवं तात्कालिक प्रकृति की शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय से सीधे संबंधित स्थल के लिए रवाना होगी। मौके पर दोनों पक्षों की मौजूदगी में राजस्व अभिलेखों का परीक्षण, भूमि की पैमाइश और वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जाएगा। विशेष रूप से उन प्रकरणों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें कार्रवाई में देरी से विवाद बढ़ने अथवा शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो। कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस के सहयोग से अवैध कब्जे और अनधिकृत निर्माण के प्रयासों पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व और पुलिस के छह सदस्यीय दल को जिम्मेदारी क्रिक रिस्पांस टीम में संबंधित क्षेत्र के नायब तहसीलदार को प्रभारी एवं नोडल अधिकारी बनाया गया है। राजस्व निरीक्षक, दो क्षेत्रीय लेखपाल तथा पुलिस कमिश्नरेंट द्वारा नामित दो पुलिसकर्मी टीम में शामिल होंगे। पुलिसकर्मियों में उपनिरीक्षक अथवा मुख्य आरक्षी स्तर के कर्मिक होंगे। टीम को दोनों पक्षों की मौजूदगी में निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हर कार्रवाई की होगी फोटो-वीडियोग्राफी, शाम पांच बजे तक रिपोर्ट जिलाधिकारी ने प्रत्येक स्थलीय कार्रवाई

की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी अनिवार्य की है।

टीम को की गई कार्रवाई की तथ्यपरक एवं संयुक्त हस्ताक्षरित विस्तृत रिपोर्ट उसी दिन शाम पांच बजे तक प्रस्तुत करनी होगी। जिलाधिकारी ने बिल्हौर, घाटमपुर और नरवल के उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में इसी प्रकार की त्वरित निस्तारण टीम की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में शिथिलता अथवा दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से महिला सशक्तिकरण को मिली मजबूती: प्रतिभा शुक्ला

» विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 41 महिलाएं और 21 महिला पुलिसकर्मी सम्मानित

» शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाली महिलाओं को मिला सम्मान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शारदीय नवरात्र एवं महिला किसान दिवस के अवसर पर आज मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थित यूटिलिटी सभागार में महिला सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 41 महिलाओं एवं 21 महिला पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक घाटमपुर सरोज कुरील, विधायक गोविंद नगर सुरेंद्र मैथानी, महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावती सिंह तथा राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने महिला आरक्षण के माध्यम से निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के तीन प्रमुख स्तंभ महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन निरंतर सुदृढ़ हुए हैं। प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने, समाज में उनका सम्मान बढ़ाने तथा शिक्षा, कौशल विकास और स्वरोजगार के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने तथा अन्य महिलाओं को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में आधी आबादी की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा मिली है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है, वहीं राशन कार्ड में महिलाओं को परिवार की मुखिया के रूप में प्राथमिकता देने, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और स्वयं सहायता समूहों जैसी पहलों से महिलाओं का सम्मान एवं आर्थिक सशक्तीकरण बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार में महिलाओं का सम्मान होता है, वहां सुख और समृद्धि का वास होता है।

विधायक घाटमपुर सरोज कुरील ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, सुरक्षा और उद्यमिता सहित प्रत्येक क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं। नारी किसी से कमजोर नहीं है। अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर महिलाएं हर चुनौती का सामना करने तथा समाज को नई दिशा देने में सक्षम हैं।

विधायक गोविंद नगर सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता विकसित समाज की आधारशिला है। मिशन शक्ति अभियान ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का कार्य किया है।

महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावती सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला कल्याण एवं सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं, कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से महिलाएं आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बन रही हैं। राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं सार्वजनिक जीवन में भागीदारी बढ़ी है। महिला सुरक्षा के लिए सुदृढ़ कानून व्यवस्था, महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति अभियान और विभिन्न सहायता सेवाओं से महिलाओं में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा



एवं सहायता से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। इनमें वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना

योजना सहित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र महिलाओं को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी रेशनी सिंह तथा कल्याणपुर आननबाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्री पुनीता सिंह ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अवसर, प्रशिक्षण और योजनाओं के

सहयोग से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है।

समारोह में पारितोष इंटर कॉलेज की छात्रा दिशा पांडेय को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दिशा ने हाईस्कूल की परीक्षा में जनपद में प्रथम तथा प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त किया था। कार्यक्रम के दौरान वीएनएसडी शिक्षा निकेतन की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। वहीं छात्राओं ने मार्शल आर्ट के माध्यम से आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) की विभिन्न तकनीकों का प्रभावशाली प्रदर्शन कर महिला सुरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित महिलाओं में डॉ. अर्चना सिंह, साधना देवी, उपसना, पुनीता सिंह, रत्ना गुप्ता, अनामिका, नीतू शर्मा, कामायनी शर्मा, गुंडिया देवी, मनप्रीत कौर, संजीवनी शर्मा, सुनील तिवारी, सुलेखा कुशवाहा, कंचन, नेहा शुक्ला, नीतू शुक्ला, मीना सिंह, दिशा पांडेय, अंजनी सोनकर, गीता देवी, वैशाली कुशवाहा, पूजा कटियार, रानी मिश्रा, शैल शुक्ला तथा रागिनी श्रीवास्तव सहित अन्य महिलाएं शामिल रही।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव, एडीसीपी स्नेह तिवारी, जिला विकास अधिकारी ए.पी. रस्तोगी, परियोजना निदेशक डीआरडीए आलोक कुमार सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह तथा डीपीओ प्रीति सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्गा पंडाल में भगदड़: 17 लोगों की मौत, कई घायल

पीएम मोदी और अमित शाह ने जताया दुख



» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम तेज बारिश के बीच भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। सप्तमी के दिन दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ के बीच मची भगदड़ में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 35 लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद पंडाल

में दर्शन बंद कर दिए गए। मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी अस्पताल पहुंचे, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटना पर दुःख जताया। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा भी की है।

तेज बारिश के बीच बिगड़े हालात
घटना के समय बाहर तेज बारिश हो रही थी। बारिश के बीच पंडाल में लोगों की भीड़ बढ़ गई।



इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। चोरबागान सर्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में मची भगदड़ जैसी स्थिति पर एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि इस पूजा के 91 वर्षों के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह पहली बार है जब ऐसी घटना घटी है। अचानक बारिश शुरू हो गई, और बारिश की वजह से कुछ लोग फिसलकर गिर गए, जिससे वहां भीड़ में अफरा-तफरी मच गई।

कोलकाता पुलिस ने क्या कहा?

कोलकाता पुलिस के अनुसार, गिरिश पार्क थाना क्षेत्र के अंतर्गत शारदा पार्क (चोरबागान) पूजा पंडाल के निकास द्वार पर भारी बारिश के बीच पंडाल प्रेमियों की भारी भीड़ के कारण शाम करीब 7-40 बजे भगदड़ मच गई, जिसके बाद पूजा पंडाल को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया है। सभी घायलों को बचाकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमसीएच) भेज दिया गया है।

सीएम शुभेदु अधिकारी अस्पताल पहुंचे, दर्शन बंद
घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद पंडाल में प्रतिमा के दर्शन बंद कर दिए गए। पंडाल की रोशनी भी बुझा दी गई और बाहर निकलने के रास्ते बंद कर दिए गए। घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान दिया जा रहा है। पूजा आयोजकों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है। वहीं, मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने भी अस्पताल का दौरा किया, जहां घायलों का इलाज चल रहा है।

कोलकाता भगदड़ पर पीएम मोदी ने जताया दुख
इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की घटना पर दुःख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचा रहा है।

रविवार को घायलों से मिलने जाऊंगा: अमित शाह
कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की बेहद दुःखद खबर मिली है। मैंने इस मामले में मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी जी से बात की है। इस हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूँ और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ। प्रशासन घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। मैं कल पश्चिम बंगाल

मृतकों के परिजनों और घायलों को आर्थिक सहायता

प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्‍ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुगृह राशि देने की घोषणा की है। वहीं, घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।



चोरबागान पूजा पंडाल भगदड़ पर ममता बनर्जी ने जताया दुख

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चोरबागान पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया कि वह इस हादसे से बेहद स्‍तब्‍ध और दुःखी है। उन्होंने मां दुर्गा से सभी घायलों के शीघ्र स्‍वस्‍थ होने की प्रार्थना की और इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों को शक्ति और साहस प्रदान करने की कामना की है।

मैं अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम स्थगित कर दूंगा और घायलों से मिलने अस्पताल जाऊंगा।

मेरठ का नीला ड्रम हत्याकांड लंबे इंतजार के बाद सौरभ को मिला इंसाफ.

साहिल व मुस्कान को मिली सजा-ए- मौत

» सौरभ की मां बोलीं- न्याय की उम्मीद थी

» पति सौरभ राजपूत की हत्या कर शव के टुकड़े सीमेंट से भरे ड्रम में छिपाए थे, अदालत ने दोनों को माना था दोषी

» बीपीएस न्यूज

मेरठ । नीला ड्रम कांड के नाम से चर्चित हुए सौरभ हत्याकांड में दोषी करार दी गयी उसकी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को एक स्थानीय अदालत ने फांसी की सजा सुनायी है। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के.के. चौबे ने बताया कि जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई के बाद दोनों दोषियों को फांसी की सजा सुनायी गयी। फैसले के समय सौरभ की मां रेनु, मौसी, भाई और परिवार के अन्य सदस्य भी अदालत पहुंचे थे।

चौबे ने बताया कि गत 30 सितंबर को सौरभ राजपूत हत्याकांड मामले में दोषी करार दिये गये साहिल और मुस्कान जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अदालत के समक्ष पेश हुए,

जिसके बाद सजा पर बहस और दोषियों को अपना पक्ष रखने का अवसर देने के लिए सुनवाई हुई। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने दोनों से पूछा कि वे सजा के संबंध में कुछ कहना चाहते हैं या नहीं। जेल प्रशासन के मुताबिक, मुस्कान और साहिल को अलग-अलग पेश किया गया और दोनों ने अपना पक्ष रखा। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि सुनवाई संक्षिप्त रही। उन्होंने बताया कि अदालत ने दोनों से विभिन्न बिंदुओं पर सवाल किए, जिनमें फॉरेंसिक रिपोर्ट से जुड़े सवाल भी शामिल थे।

हालांकि, उन्होंने सवालों का विस्तृत ब्योरा साझा करने से इनकार किया। फैसले के समय सौरभ की मां रेनु, मौसी, भाई और परिवार के अन्य सदस्य अदालत पहुंचे थे। सजा सुनाए जाने से पहले रेनु ने संवाददाताओं से कहा कि उनके बेटे की हत्या के बाद उनके परिवार ने न्याय पाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया।



उन्होंने मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा सुनाये जाने की उम्मीद जताते हुए मामले में साथ देने वाले प्रशासन और अन्य लोगों का आभार जताया। मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल की तबीयत अदालत का फैसला सुनाये जाने से दो दिन पहले से ही ख़ासी बेचैनी भरी रही।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक शर्मा ने बताया कि सजा सुनाए जाने से पहले मुस्कान और साहिल परेशान तथा बेचैन नजर आ रहे थे और दोनों

ने मंगलवार की रात और बुधवार सुबह बहुत कम खाना खाया और पिछले कुछ दिनों से वे ठीक से सो भी नहीं पा रहे थे। उल्लेखनीय है कि तीन मार्च 2025 की रात सौरभ की हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, मुस्कान ने अपने पति सौरभ को कथित तौर पर मादक पदार्थ देकर बेहोश किया और फिर साहिल की मदद से चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में डालकर सीमेंट से सील कर दिया गया।

मुस्कान को मथुरा में होगी फांसी?

» इस सवाल का क्या है जिले से कनेक्शन, आखिर क्यों हो रही यहां की जेल की चर्चा

» बीपीएस न्यूज

मथुरा । मेरठ के बहुचर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में अदालत ने बुधवार को मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई है। अब इस मामले में मथुरा की जिला जेल भी चर्चा में है। देश में महिला बंदियों को फांसी देने के लिए निर्धारित व्यवस्था मथुरा जेल में मौजूद है। हालांकि आजादी के बाद से मथुरा में किसी भी महिला को फांसी नहीं हुई है।

मेरठ में मार्च 2025 में हुए हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। आरोप था कि मुस्कान और साहिल ने मिलकर मुस्कान के पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी। इसके बाद शव के टुकड़े कर उन्हें नीले प्लास्टिक के ड्रम में रखकर सीमेंट और रेत से छिपा दिया गया था। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया था। अदालत ने 30 सितंबर 2026 को दोनों को दोषी करार दिया था। बुधवार को सजा सुनाई गई। अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए मृत्युदंड की मांग की थी। बुधवार को दोनों को फांसी की सजा सुनाई है।

सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी नीला ड्रम केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत का फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला भावुक हो गए। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई की। वहीं



मुस्कान ने कहा कि उसकी दो बेटियां है उनका खयाल रखा जाए।

इस मामले में अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता और क़रूरता का हवाला देते हुए दोनों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने मुस्कान की दो बेटियों के भविष्य और परवरिश का हवाला देकर अदालत से नरमी बरतने की अपील की थी। हालांकि लंच से पहले ही जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए दोनों दोषियों से अदालत ने पूछा कि क्या वे सजा सुनाए जाने से पहले कुछ कहना चाहते हैं। दोनों ने जवाब दिया कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। लंच के बाद दोनों को दोबारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। जब अदालत ने मुस्कान की आंखों में आंखें डालकर सीधा सवाल दागा-तुम अपने पति की हत्या की दोषी साबित हो चुकी हो, अपने लिए क्या सजा चाहती हो? मुस्कान ने कहा-मेरी दोनों बेटियां बहुत छोटी हैं, उनका खयाल रखा जाए... मुझे कम से कम सजा दी जाए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन पड़ा भारी, सीजेपी के दो नेता तिहाड़ भेजे गए

» बैरिकेड्स लांघकर प्रदर्शन स्थल में घुसने का आरोप, पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए सौरव दास और आशुतोष रांका



नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने और सुरक्षा बैरिकेड्स पार कर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने के मामले में दोषी करार जन्तना पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। बुधवार को दोनों को मॉर्टर मार्ग स्थित विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। इसके बाद उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया गया। यह कार्रवाई जंतर-मंतर को आधिकारिक प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए जाने के एक दिन बाद हुई है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार, 13 अक्टूबर को सीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का एक समूह जंतर-मंतर पहुंचा था। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बंद दरवाजे और सुरक्षा अवरोध पार कर उस क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां अब प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। पुलिस ने इस मामले में सौरव दास, आशुतोष रांका और

पार्टी के अन्य सदस्यों को हिरासत में लिया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस दौरान पार्टी के करीब 14 सदस्य पुलिस की कार्रवाई के दायरे में आए।प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए नारे लगाए। उनकी प्रमुख मांग मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की थी। मतदाता सूची में संशोधन को लेकर भी राजनीतिक विवाद जारी है। विपक्षी दलों और प्रदर्शनकारियों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने पक्षपात के आरोपों को खारिज किया है।दिल्ली पुलिस ने दोनों नेताओं के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि बार-बार नियमों के उल्लंघन और रिहा होने पर दोबारा कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका के मद्देनजर यह कदम उठाया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों नेताओं के खिलाफ शांति बनाए रखने से संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई।

मेरठ के अमित कश्यप हत्याकांड में अदालत का सख्त फैसला

पति को सांप से डंसाने वाले प्रेमी जोड़े को मिली फांसी की सजा

» गला दबाकर हत्या के बाद शव के पास छोड़ा था सांप, प्रेम संबंधों के रास्ते से पति को हटाने की साजिश का पर्दाफाश, पोस्टमार्टम, मोबाइल कॉल और गवाहों के बयानों ने खोली कसूरत

» बीपीएस न्यूज

मेरठ। बहसूमा में अमित कश्यप की गला घोटकर हत्या कर दी गई। उसके बाद बिस्तर पर जिंदा सांप छोड़ दिया, जिसने 10 बार काटा। फिर संपर्क का शोर मचा दिया। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और कॉल डिटेल ने राज खोल दिया। मेरठ में बहसूमा क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात निवासी अमित कश्यप उर्फ मिक्की कश्यप हत्याकांड में आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई। इस मामले में अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को अदालत पहले ही हत्या और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार दे चुकी थी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-12) जयवीर सिंह नागर की अदालत ने दोनों को दोषी ठहराया था। वहीं अमित की मां मुनेश देवी ने दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की थी।

यह घटना 13 अप्रैल 2025 की है। उस सुबह अमित कश्यप का शव उसके बिस्तर पर मिला था। शव के नीचे



एक जिंदा घोड़ा पछाड़ सांप दबा हुआ था। उसके शरीर पर सांप के काटने के 10 निशान भी थे। पत्नी रविता ने दावा किया था कि अमित की मौत सांप के काटने से हुई है। शुरुआत में परिजनों ने इसे संपर्क से हुई मौत माना। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह संपर्क नहीं बल्कि दम घुटना सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार, अमित का गला, नाक और मुंह दबाया गया था। दम घुटने के कारण उसकी मौत हुई थी। गला दबाने से गर्दन की हार्याइड हड्डी और थायरॉइड कार्टिलेज भी टूट गई थीं। जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के 24 घंटे के भीतर रविता और अमरदीप के बीच 51 बार फोन पर बातचीत हुई थी। इन तथ्यों ने मामले को हत्या की दिशा में मोड़ दिया।इसके तहत 12 अप्रैल 2025 की रात दोनों ने सोते समय अमित के दोनों हाथ पकड़कर गला घोट दिया था।

हत्या के बाद वारदात को संपर्क से हुई मौत दिखाने के लिए अमित के बिस्तर पर जिंदा सांप छोड़ दिया गया। जांच के मुताबिक अमरदीप ने माता के जागरण का बहाना बनाकर संपरे कृष्ण से एक हजार रुपये में सांप खरीदा था। कृष्ण यह सांप अपने नाना प्रीतमनाथ से लेकर आया था। पुलिस ने मामले की जांच पूरी करने के बाद 26 जून 2025 को अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया था।मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट महत्वपूर्ण साबित हुई। चिकित्सकीय जांच में मौत का कारण सांप का डसना नहीं, बल्कि दम घुटना सामने आया। अभियोजन पक्ष ने अदालत में चिकित्सकीय साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अपना पक्ष रखा। रिपोर्टों के मुताबिक, अमित की हत्या में उसके हाथ पकड़े थे, जबकि अमरदीप ने उसका गला दबाया था। इसके बाद वारदात को संपर्क का रूप देने की कोशिश की गई।

मोबाइल कॉल और गवाहों ने मजबूत की अभियोजन की दलील जांच के दौरान रविता और अमरदीप के बीच संबंधों तथा घटना वाली रात हुई फोन बातचीत की भी पड़ताल की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों के बीच उस रात 50 से अधिक बार बातचीत हुई थी। सांप उपलब्ध कराने वाले संपरे की गवाही भी अभियोजन के लिए अहम रही। इन साक्ष्यों, चिकित्सकीय रिपोर्ट और गवाहियों के आधार पर अदालत ने 7 अक्टूबर को दोनों को हत्या का दोषी ठहराया था। शुक्रवार को उन्हें सजा सुनाई गई।अमित कश्यप की हत्या ने उसके परिवार को गहरे संकट में डाल दिया। रिपोर्टों के अनुसार, अमित तीन बच्चों का पिता था। जिस व्यक्ति के साथ जीवन बिताने की कसमें खाई

संबंधों में बाधा बनने पर हत्या की साजिश

पुलिस जांच में सामने आया कि अमित की पत्नी रविता और अमरदीप के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। कुछ दिन पूर्व परिजनों ने उन्हें आपतिजनक स्थिति में देख लिया था। अमित को इसकी जानकारी हुई तो उसने इसका विरोध किया। रविता और अमरदीप ने अमित को अपने संबंधों में बाधा मानते हुए उसकी हत्या की साजिश रची थी।

12 गवाहों की मदद से सिद्ध हुआ दोष

इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 12 गवाहों ने गवाही दी। इनमें मृतक का भाई मोनु, मुनेश, कृष्ण, संप्रेष प्रीतमनाथ, दोगा पंकज गौतम, चिकित्सक डॉ. कपिल गर्ग, विवेक इंदु वर्मा, वोडाफोन के नोडल अधिकारी शुभम शर्मा, रिलायंस जियो के नोडल अधिकारी लोकेश कुमार, अमित और कान्स्टेबल वलरॉय रामप्रेसा शामिल रहे।

गई, उसी की हत्या के मामले में पत्नी का दोषी ठहराया जाना इस घटना का सबसे दुःखद पहलू है। हालांकि, अपराध की गंभीरता पर कठोर प्रतिक्रिया स्वाभाविक है, लेकिन अदालत का फैसला साक्ष्यों और कानून के आधार पर ही तय होता है।

इस मामले में मृत्युदंड का फैसला हत्या की गंभीरता और अपराध को छिपाने के लिए कथित तौर पर रची गई साजिश के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। फिर भी, मृत्युदंड के मामलों में उपलब्ध कानूनी अपील और अन्य न्यायिक प्रक्रियाएं भी अहम होती हैं। इस फैसले का अंतिम कानूनी परिणाम आगे की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

हमारे विधानसभा की सभी सड़के दीपावली के पहले बन जानी चाहिए: सतीश महाना

सभी पोलों, सार्वजनिक स्थलों तथा पार्कों पर लाइटों की व्यवस्था सुनिश्चित हो जाए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में विकास हेतु आयोजित सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। गोविंद नगर विधानसभा विधायक सुरेंद्र मैथानी ने निम्नवत कई महत्वपूर्ण विषयों को बैठक में उठाया।

सरायमीता गांव, पनकी में अमोनिया युक्त पेयजल/पानी से निजात दिलाने के लिए, अभिलंब कर प्रारंभ किया जाए वहां रोज 07 से 10 टैंकर पानी भिजवाना पड़ता है। छठी मैया के पूजन के पूर्व, दीपावली से पहले ही, सभी घाटों का निर्माण/जीर्णोद्धार, पूर्ण हो जाए और साफ सफाई

की व्यवस्था समुचित हो जानी चाहिए। कहा गया हमारे विधानसभा की सभी सड़कें, प्रत्येक वार्ड की शत प्रतिशत, दीपावली के पहले पूर्ण हो जानी चाहिए। तात्या टोपे नगर के, बड़े मॉडल पार्क का निर्माण भी, दीपावली के पहले प्रारंभ हो जाना चाहिए।

पनकी पड़ाव से कानपुर की एंट्री के लिए, एक द्वार, जाजमऊ एंट्री द्वार की तर्ज पर, निर्माण अति आवश्यक है। गरीबों की जान बचाने के लिए, दिलवाने वाले पैसे का एस्टीमेट, अस्पतालों से वास्तविक बनना चाहिए। इस पर सख्ती हो, और कार्रवाई सुनिश्चित होतथा सिंगल विंडो सिस्टम पर, संबंधित प्रक्रिया की, समय अर्वाध को काम किया जाए।

विधानसभा में दीपावली के पूर्व, इस रोशनी के लोहार पर, प्रत्येक पोलों पर, और सार्वजनिक स्थलों तथा पार्कों पर लाइटों की व्यवस्था सुनिश्चित हो जाए। लाइट लग जाए। दीपावली पर पटरों के बिक्री के स्थान और लाइसेंस धारकों की व्यवस्था, जहां शादी प्रक्रिया पूर्ण कर के, अभी से सुनिश्चित हो जाए। जिससे अवैध पटाखा कारोबार कानपुर में ना पनप सके और कोई हदसे का शिकार कानपुर वासी ना हो। केडीए से पूरे हमारे इंडस्ट्रियल एरिया में नौरायया खेड़ा आदि क्षेत्र में नालों की सफाई और संबंधित डेवलपमेंट को अभिलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया। दक्षिणांचल से तात्या टोपे नगर में चण्ड की कॉलोनी के छज्जों से जा रहे हार्ड टेंशन लाइन को, छज्जों से दूर करने का निर्देश दिया।

मेट्रो निर्माण से हमारे विधानसभा में दीपावली तक, हर हाल में, सड़क/मेट्रो पिलर के दोनों तरफ सभी टीन-टपड़ों को हटाकर, सड़क बनाकर, नागरिकों को चलने योग्य मार्ग देने का निर्देश



दिया। मेट्रो निर्माण से क्षतिग्रस्त हुई, शास्त्री नगर की सीवर लाइन, आईटीआई हॉस्टल वाले मेट्रो

स्टेशन के कारण डैमेज हुई थी, उसे अभिलंब ठीक करा कर जनता को राहत दें। इसकी

मॉनीटरिंग के लिए जीएम जल संस्थान को निर्देश दिया।

बाबा बड़े दयालू हैं

ओम नमः शिवायः

बाबा बड़े दयालू हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, गरीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवाई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)



श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी

हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उचित मूल्य पर उपलब्ध है।



राजू राजपूत
मो. 9839909008

पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर

CARE-TEX®
OUR MISSION IS PATIENT CARE

दर्द कम... जीवन सुशहाल...

आपके स्वस्थ जीवन का साथी

अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ

अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स

हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स

Knee Cap, Ankle Support, Elbow Support, Cervical Collar, Arm Sling, Wrist Support, Posture Belt, Finger Support

Caretex कार्यालय
19/174, पटकापुर, कानपुर

संपर्क करें 9936442547, 7705800400

आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex - मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर



तुरन्त रजिस्ट्री तुरन्त कब्जा लें

बिना ब्याज के

अकाना होम डेवलपर्स

आवासीय प्लॉट

हमारी साईट :

- ❖ पाली
- ❖ सेन पश्चिम पारा
- ❖ मंझावन
- ❖ नौबस्ता आवास विकास
- ❖ रमईपुर
- ❖ जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्प्लेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर

Mob. : 90005315389

साई पेपर कप

ग्लास गैल्यूफेब्रिक



महेन्द्र पटेल
प्रबंधक



माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास - 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

☎ 9919772233 ☎ 7985401046

पता:- प्लॉट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर



Sahu Ji Maharaj Restaurant



राजसी ठाट

देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लॉक किदवाई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

Since:1992

सर्दी-खांसी और गले की खराश से राहत दिलाएंगे घरेलू उपाय

बदलते मौसम में कई सारी बीमारियों का जन्म देता है। इस दौरान सर्दी-खांसी और जुकाम होना आम बात है। इस समय में मौसम में काफी बदलाव हुआ है, जिस कारण से एलर्जी और संक्रमण भी काफी फैल रहा है। वर्तमान में सर्दी-खांसी के साथ ही गले में खराश की समस्या हो सकती है।

जुकामराहत पाएं

इसके साथ ही गले में दर्द, कुछ खाने-पीने में परेशानी और यहां तक कि बोलने में भी तकलीफ होने लगती है। असल में गले में खराश हमेशा बैक्टीरियल संक्रमण के कारण ही नहीं होती, कई मामलों में इसके पीछे वायरल संक्रमण भी हो सकता है। ऐसे में हर बार एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत नहीं होती है। वैसे आपको इन दवाओं का सेवन डॉक्टर की सलाह पर करना चाहिए।आइए आपको इस लेख में बताते हैं



कि सर्दी-खांसी और गले की खराश होने पर इनसे कैसे आराम पाएं?

तुलसी और काली मिर्च का काढ़ा

अगर आप काफी समय से सर्दी-खांसी से परेशान है, तो आप तुलसी और काली मिर्च से बना गर्म पेय पी सकते हैं। यह आपको काफी आराम देगा।

» इसे बनाने के लिए आपको चाहिए एक कप पानी में 5-6 तुलसी के पत्ते और 4-5 काली मिर्च डालकर उबालें।

» अब पानी को छानकर गुनगुना होने पर पिएं।

» गले की समस्याओं से राहत देने में

फायदेमंद तरीका माना जाता है।

नमक वाले पानी से करें गरारे

अगर आपके गले में खराश और दर्द हो रहा है, तो आप गुनगुने नमक वाले पानी से गरारे कर सकते हैं। यह एक आसान घरेलू उपाय है,

जो गले की असहजता को कम करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में करीब आधा चम्मच नमक मिलाएं। नमक के पूरी तरह घुल जाने के बाद इससे गरारे कर सकते हैं। जरूरत के मुताबिक दिन में दो-तीन बार ऐसा कर सकते हैं।

शहद से मिल सकती है गले की खराश में राहत

गले में खराश और खांसी से राहत पाने के लिए आप शहद का सेवन कर सकते हैं। शहद गले को आराम पहुंचाने और खांसी की परेशानी कम करने में मदद करता है।

» यदि आपके गले में खराश है, तो आप थोड़ी मात्रा में शहद का सेवन कर सकते हैं। कुछ लोग इसमें थोड़ी काली मिर्च मिलाकर भी खाते हैं।

» यदि आपकी समस्या बढ़ती ही जा रही है और सामान्य उपायों से आराम नहीं मिल रहा है, तो आप एक बार डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

लोकजीवन का महापर्व है दुर्गापूजा

बंगाल में दुर्गापूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं बल्कि इस उत्सव के कहीं अधिक गहरे व व्यापक सांस्कृतिक अर्थ हैं। यह कला, साहित्य, लोकजीवन और सामूहिक चेतना का महापर्व है। इस पवित्र अवसर की असल उपलब्धि केवल भव्य प्रतिमाओं या जगमगाते पंडालों में नहीं, बल्कि उस आनंद, संवेदना और आत्मीयता में है, जिसे यह समाज के बीच बांटता है।

दुर्गापूजा में मुझे (लेखक को) कोलकाता में रहने का सुयोग मिला है। हर गली-सड़क-चौराहे पर देवी दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं, रंग-बिरंगे पंडाल, आकर्षक सजावट, रोशनी की जगमगाहट, माइक पर गुंजती परिचित धुनें, ढाक की लयबद्ध थाप और धनुची से उठता धुआं-ये दृश्य और ध्वनियां मिलकर एक अनुपम वातावरण का निर्माण करती हैं। इस अवसर पर केवल देवी दुर्गा की आराधना नहीं होती, बल्कि कला और सृजनशीलता का भी अद्भुत उत्सव मनाया जाता है। दुर्गापूजा के दिनों में कोलकाता सहित पूरा बंगाल मानो एक विशाल मुकाकाश कला-प्रदर्शनी में बदल जाता है। कलाकारों की कल्पनाशीलता, शिल्प-कौशल और सृजनात्मक प्रतिभा को देखकर सहज ही नमन करने का मन होता है। वस्तुतः दुर्गापूजा कला के माध्यम से जीवन के सौंदर्य को अभिव्यक्त करने वाला महापर्व है।दुर्गापूजा की प्रतिमाओं और पंडालों का वैभव केवल बाहरी आकर्षण तक सीमित नहीं है। उनके भीतर समाज की सामूहिक कल्पना, सांस्कृतिक स्मृति, लोकजीवन की संवेदना और सौंदर्यबोध की अभिव्यक्ति भी निहित है। मिट्टी, बांस, कपड़े, रंग और प्रकाश जैसी साधारण वस्तुएं कलाकार के स्पर्श से असाधारण रूप धारण कर लेती हैं। अनगढ़ मिट्टी कलात्मक सृजन के माध्यम से देवी की ऐसी प्रतिमा में बदल जाती है, जो दर्शक के मन में विस्मय, आनंद और श्रद्धा का संचार



करती है। यही कला की शक्ति है-वह साधारण में असाधारण और दृश्य में अदृश्य का अनुभव कराती है। भारतीय चिंतन में कला का संबंध केवल रूप-सौंदर्य से नहीं, बल्कि रस, प्राण और श्री से भी जोड़ा गया है। यहां 'श्री' का अर्थ केवल वैभव या बाहरी चमक नहीं है। इसमें मंगल, गरिमा, आंतरिक आभा और जीवन की समृद्धि का भाव भी समाहित है। जिस रचना में ये तत्त्व एक साथ उपस्थित होते हैं, वह मनुष्य को गहरे स्तर पर प्रभावित करती है।

संपूर्ण सृष्टि में रस के असंख्य स्रोत विद्यमान हैं। प्रकृति का सौंदर्य, मानवीय संबंधों की आत्मीयता, चरित्र की उदात्तता और ज्ञान की गरिमा मनुष्य को अलग-अलग प्रकार से आर्तित करती है। कला और साहित्य इस रसानुभूति के विशिष्ट माध्यम हैं। जिस समाज में कला का विकास होता है, वहां सौंदर्यबोध के अलावा मनुष्य की संवेदनशीलता, कल्पनाशीलता और सामाजिक चेतना का भी विस्तार होता है।

कला की सृजन-प्रक्रिया में कल्पना की केंद्रीय भूमिका होती है। मनुष्य अपने अनुभवों, स्मृतियों, आकांक्षाओं और विचारों को कल्पना के सहारे नए रूप प्रदान करता है। पुराणकारों ने इसी कल्पनाशक्ति से कथाओं और गाथाओं के विराट संसार की रचना की। साहित्यकारों ने नए चरित्रों, आदर्शों और जीवन-मूल्यों को आकार दिया। जिनमें उसकी सांस्कृतिक चेतना मूर्त रूप ग्रहण करती है।साहित्य, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत और नृत्य इसी सृजनात्मक प्रक्रिया के विभिन्न रूप हैं। इन कलाओं में अमूर्त भावों को मूर्त या अनुभवगम्य बनाने की क्षमता होती है। कलाकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही रहती है कि वह अपने मन में उठने वाले भावों और विचारों को ऐसी अभिव्यक्ति दे, जो दूसरों के हृदय तक पहुंच सके। दुर्गापूजा की प्रतिमाएं इस सृजनात्मक प्रक्रिया का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत बारा देवी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने हेतु पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा बारा देवी मंदिर परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

इस दौरान इट्टी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता एवं

मुस्तीदी के साथ इट्टी करने, श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रभावी प्रबंधन करने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखने तथा श्रद्धालुओं की सहायता के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए गए।

ढाबा संचालक से लूट की घटना में शामिल एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 10 अक्टूबर 2026 को जीटी रोड स्थित कानपुर हाईवे के एक ढाबे पर पानी की बोतल लेने के बहाने आए तीन आरोपियों द्वारा रुपये देने के बहाने पास आकर ढाबा संचालक की सोने की चेन एवं रुद्राक्ष की माला झपटकर फरार होने की घटना की गई थी। घटना के अनावरण हेतु थाना पुलिस की छह टीमें एवं सर्विलांस की एक टीम गठित की गई। आशुतोष कुमार सिंह,

सहायक पुलिस आयुक्त चक्रेरी द्वारा बताया गया की पुलिस टीमों द्वारा 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की गई। घटना में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसने पूछताछ में अपने दो अन्य साथियों की सलिमता स्वीकार की है।गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से संबंधित माल की बरामदगी एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। शेष दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

बाल विवाह की दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता के लिये कार्यक्रम का आयोजन



» बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, पुलिस आयुक्त, कानपुर नगर रघुबीर लाल के निर्देशन में, संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय संकल्प शर्मा तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त कानुन एवं व्यवस्था डॉ. विपिन ताड़ा के मार्गदर्शन में एवं अपर पुलिस उपायुक्त महिला अपराध स्नेहा तिवारी के नेतृत्व में

मिशन शक्ति फेज-6 के आठवें दिन थाना बिदूर क्षेत्रान्तर्गत रामजानकी इण्टर कॉलेज में बाल विवाह की रोकथाम एवं इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नुक़्क़ा नाटक एवं महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन द्वारा प्रसारित लघु फिल्म 'बढ़ते बच्चे' के माध्यम से ग्रामीणों एवं छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के सामाजिक एवं व्यक्तिगत दुष्परिणामों, बच्चों के अधिकारों तथा उनके सुरक्षित भविष्य के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से संवाद स्थापित कर बाल विवाह जैसी सामाजिक कुुरीति की रोकथाम में परिवार एवं समाज की सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में लगभग 250 लोगों ने प्रतिभाग किया।

श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा समिति द्वारा 33वें वर्ष दुर्गा पूजा महोत्सव का किया गया आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के ब्रह्म चट्ट, पटकापुर स्थित श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा समिति द्वारा 33वें वर्ष दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन पूरे श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है। बंगाली परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित यह दुर्गा पूजा महोत्सव क्षेत्र में भक्ति, आस्था और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश दे रहा है।

मां दुर्गा की भव्य एवं आकर्षक प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पारंपरिक बंगाली शैली में सजे मां के दरबार में रंग-बिरंगी सजावट, मनमोहक आभूषण और भक्तिमय वातावरण उत्सव की भव्यता को और बढ़ा रहे हैं। मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।समिति द्वारा



आयोजित यह महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि बंगाली संस्कृति, परंपराओं और सामुदायिक सौहार्द का भी प्रतीक है। दुर्गा पूजा के पारंपरिक रीति-

रिवाजों, पूजा-अर्चना और उत्सवी वातावरण के माध्यम से लोगों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

मां दुर्गा की आराधना के साथ पूरा क्षेत्र

भक्तिमय वातावरण में सराबोर है। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता इस आयोजन को विशेष बना रही है। महोत्सव के माध्यम

से सामाजिक एकजुटता, आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा समिति का यह 33वां आयोजन वर्षों से चली आ रही धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रतीक है। बंगाली रीति-रिवाजों के अनुरूप मनाया जाने वाला यह महोत्सव कानपुर की सांस्कृतिक विविधता और उत्सवप्रियता को भी दर्शाता है।

मां दुर्गा से यही प्रार्थना है कि सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली आए तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता की भावना सदैव बनी रहे। अपने सेवा भाव से पूर्ण सम्मिलित बुजेश पांडे, मुकुंद मिश्रा, अशोक वाजपेई, विवेक, अंजनी, उमेश गुप्ता, एवं अरुण अस्थाना सम्मिलित हो कर इस कार्यक्रम की शोभा को खूबसूरती के साथ संपन्न करते हैं।

पिकप की टक्कर से मजदूर की हुई मौत, चालक हुआ फरार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कलकटरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में सड़क पार कर रहे एक मजदूर को तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी और कुचलते हुए निकल गई। हादसा इतना भीषण था कि मजदूर ने मौके पर ही हम तोड़ दिया। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। प्रत्यक्षियों की माने तो हादसा कलकटरगंज थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ। हादसे के बाद मौके पर लोगों और स्थानीय दुकानदारों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय दुकानदारों व राहगीरों की मदद से घायल युवक को आनन-फानन में हैलट अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान प्रतापगढ़ जिले के इसीपुर 48 वर्षीय निवासी धीरेन्द्र प्रताप सिंह के रूप में हुई है। धीरेन्द्र के



पिता राम सिंह किसान हैं। धीरेन्द्र परिवार में सबसे बड़े बेटे थे और कानपुर में रहकर मजदूरी के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दूसरे भाई वीरेंद्र मुंबई में नौकरी करते हैं और तीसरे भाई रामेन्द्र गांव में पिता के साथ खेती में हाथ बंटाते हैं। धीरेन्द्र की मां पुष्पा सिंह का करीब एक साल पहले बीमारी के कारण निधन हो चुका था। शुक्रवार दोपहर धीरेन्द्र कलकटरगंज के दालमंडी क्षेत्र में

काम कर रहे थे और किसी काम से सड़क पार करते समय इस हादसे का शिकार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और पिकअप वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस और स्थानीय दुकानदारों ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। शनिवार को परिजन कानपुर पहुंचे और पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थाना प्रभारी के अनुसार का कहना है कि अभी तक परिजनों की तरफ से कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद पिकअप के नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल घटना के संबंध में जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

जानवर को बचाने के प्रयास में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली

» कानपुर-सागर हाईवे पर हुआ हादसा, बाल-बाल बचा चालक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर-सागर हाईवे पर स्थित खेरसा कस्बे में शनिवार भोर एक बड़ा हादसा टल गया। कानपुर की तरफ से आ रहा एक तेज रफ्तार खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक सामने आए जानवर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर नाले से टकरा गया और पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चला रहा कैथ्या ,थाना गजनेर का रहने वाला 45 वर्षीय कसान पुत्र कल्लूधायल हो गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और ड्राइवर को भी कोई गंभीर चोट नहीं आई।घटना की सूचना मिलते ही बिधनू पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल ड्राइवर को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी भिजवाया गया। हादसे के बाद हाईवे पर बाधित हुए ट्रैक्टर को दुरुस्त करने के लिए पुलिस ने हाइड्रा की मदद ली। ट्रैक्टर-ट्रॉली को हाईवे से हटवाकर यातायात को सुचारू रूप से बहाल कर दिया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर कसान का कहना है कि वह कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं करना चाहता। बिधनू सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद वह अपने घर



चला गया है। थाना प्रभारी बिधनू, तेज बहादुर सिंह ने कहा कि मामूली रूप से घायल चालक को इलाज के लिए सीएचसी भेज दिया गया था और अब मौके पर स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

आरटीओ:अभियान मे 65 बसों के चालान, 10 की गयी सीज

» दो दिवसीय अभियान में यात्री बसों की हुई जांच, सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने ऑपरेशन कवच 3.0 के तहत यात्री बसों के खिलाफ अभियान चलाया। 16 और 17 अक्टूबर को चले दो दिवसीय विशेष अभियान में कानपुर नगर के प्रवर्तन अधिकारियों ने बसों



की जांच कर 65 के चालान किए, जबकि 10 बसों को निरुद्ध किया गया।परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर पूरे प्रदेश में चलाए

गए अभियान का उद्देश्य यात्री बसों का संचालन निर्धारित मानकों और नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान बसों में क्षमता से अधिक सीटें और स्लीपर लगाए जाने, आपातकालीन निकास की व्यवस्था नहीं होने या उसके क्रियाशील नहीं होने जैसे मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया।इसके अलावा बसों में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशील स्थिति, बिना परमिट बसों के संचालन, परमिट की शर्तों के उल्लंघन तथा अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई। बस बांडी कोड एआईएस-119, 135 और 052

के प्रावधानों के अनुरूप वाहनों का संचालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।विभाग ने बसों की छत या कैरियर पर निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचाई तक सामान लादकर संचालन किए जाने को भी सड़क सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माना है। ऐसे वाहनों से यात्रियों की सुरक्षा के साथ ही सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।परिवहन विभाग के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मामलों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। ऑपरेशन कवच 3.0 के तहत की गई कार्रवाई के जरिए बस संचालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्री परिवहन सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया है।

संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार कर देश में अराजकता उत्पन्न करने के प्रयासों का अभाविप ने किया विरोध

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की कानपुर महानगर इकाई द्वारा शुक्रवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर «लोकतंत्र अपनाओड्डुअराजकता हटाओ» के नारे के साथ प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से अभाविप ने देश की संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं, विशेषकर निर्वाचन आयोग और न्यायालय की गरिमा को धूमिल करने, उन पर निराधार प्रश्नचिह्न खड़ा करने और उनके विरुद्ध अविश्वास फैलाने के प्रयासों की कड़ी निंदा की। अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति करने हेतु हिंसा एवं अराजकता का सहारा लेना किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। प्रदर्शन में अभाविप कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मर्यादाओं और राष्ट्रीय एकता के पक्ष में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।सर्वविदित है की भारत का निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, जो संवैधानिक मूल्यों और निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर देश में निष्पक्ष निर्वाचन कराने एवं उससे संबंधित आवश्यक सुधारों को लागू करने के लिए पूर्णतः उत्तरदायी है। यदि इससे संबंधित किसी प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को कोई आपत्ति होती है,



तो उसके लिए संविधान और कानून के तहत स्पष्ट नियम व वैधानिक मंच बने हुए हैं। स्टूक जैसी प्रक्रिया में भी किसी पात्र मतदाता का नाम छूट जाने पर उसे पुनः जोड़ने की एक निर्धारित प्रक्रिया मौजूद है, जिसका लाभ सभी जरूरतमंद नागरिक ले रहे हैं। इसके बावजूद, स्वायत्त संस्थाओं पर निराधार प्रश्नचिह्न लगाना और अराजकता के माध्यम से दबाव बनाकर उनकी स्वायत्त एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास करना भारत में

लोकतंत्र को कमजोर करने का कुत्सित प्रयास है।अभाविप का यह स्पष्ट मत है कि देश की संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता और मर्यादा की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। भारत का जागरूक युवा और विद्यार्थी लोकतंत्र को कमजोर करने वाली और देश में अराजकता फैलाने वाली इन सभी शक्तियों तथा षड्यंत्रों का पूरी ताकत के साथ विभिन्न लोकतांत्रिक माध्यमों से कड़ा प्रतिकार कर रहा है। इसी संकल्प के साथ आज

विश्वविद्यालय पर «लोकतंत्र अपनाओड्डुअराजकता हटाओ» के नारे के साथ यह विशाल प्रदर्शन आयोजित किया गया।प्रदर्शन के दौरान अभाविप के प्रदेश मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि «देश की संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता और चुनावी सुधार प्रक्रियाओं पर निराधार प्रश्नचिह्न उठाना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के सर्वथा विपरीत है। राजनीतिक असहमति की आड़ में देश में अराजकता और अव्यवस्था फैलाने का प्रयास अत्यंत निंदनीय है। विरोध के नाम पर भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अस्थिरता उत्पन्न करने की बात करना सीधे तौर पर हमारे संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। देश विरोधी कृत्य करने वाली ऐसी शक्तियों और साजिशों को भारत का जागरूक युवा और छात्र समाज एकजुट होकर मुंहतोड़ जवाब देगा।»प्रांत सह मंत्री मयंक ने कहा कि «चुनाव सुधार की पारदर्शी प्रक्रियाओं को विवादित बनाकर और निष्पक्ष संवैधानिक संस्थाओं को कठपुतरे में खड़ा करके देश में अराजकता का वातावरण बनाना अलोकतांत्रिक मानसिकता का परिचायक है। भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र में पड़ोसी देशों जैसी हिंसा और अस्थिरता फैलाने की बात करना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। देश की शांति, अखंडता और संवैधानिक व्यवस्था से

खिलवाड़ करने वाले ऐसे किसी भी देश विरोधी कृत्य को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और भारत की छत्रशक्ति व युवा इसका पूरी ताकत से कड़ा प्रतिकार करेंगे।» कानपुर महानगर मंत्री सुधांशु त्रिपाठी ने कहा कि «लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार सभी को है, लेकिन यह अधिकार जिम्मेदारी और अनुशासन से बंधा हुआ है। चुनावी सुधारों और स्टूकजैसी प्रक्रियाओं पर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए, न कि उन्हें विवाद और अविश्वास का माध्यम बनाया जाना चाहिए। जनता के बीच भ्रम फैलाकर या संवैधानिक संस्थाओं पर प्रश्नचिह्न लगाकर लोकतंत्र को मजबूत नहीं किया जा सकता। यह प्रदर्शन राष्ट्रहित और संवैधानिक मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों की अडिग प्रतिबद्धता को दर्शाता है।अभाविप ने देश के समस्त युवाओं और नागरिकों का आह्वान किया है कि वे तथ्यों के आधार पर राष्ट्रीय विषयों पर विचार करें। साथ ही अपने लोकतांत्रिक कर्तव्यों को समझते हुए किसी भी प्रकार की अराजकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों का खुलकर प्रतिकार करें। इस दौरान खुशी भारती, प्रभात, आरसी तिवारी, अनामिका, तरुण, प्रथम, मानस, अनुराग शर्मा, प्रखर दीक्षित, स्वतंत्र राजपूत, आर्यन तिवारी, कार्तिकेय राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश मंत्री के फार्म हाउस में बड़ी लूट,बंधक बनाकर लाखों का माल किया पार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री रमेश सिंह यादव के फार्म हाउस में नकाबपोश बदमाशों ने बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना सेन पश्चिमपारा थाना क्षेत्र के न्यूरी गांव स्थित फार्म हाउस की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात दो नकाबपोश बदमाशों ने तमंचे के बल पर रमेश सिंह यादव को बंधक बना लिया। बदमाशों ने उनके हाथ-पैर बांधकर सोने की चेन, अंगूठी, कड़ा और नकदी लूट ली। कुछ मीडिया रिपोर्टों में लूटे गए माल की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई है।

हालांकि, नकदी और जेवर की कुल कीमत को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। घटना की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके

12 घंटे के भीतर चोरी की पूरी 50,000 की धनराशि बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अक्टूबर को थाना कलकटरगंज में एक व्यापारी के बैग



पर पहुंची तथा जांच शुरू की। बदमाशों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, एक रिपोर्ट के अनुसार, खुलासे के लिए पांच टीमों गठित की गई हैं। रमेश सिंह यादव तीन बार ब्लॉक प्रमुख रह चुके हैं और 2022 में बिठूर विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुके हैं।फिलहाल पुलिस जांच जारी है। बदमाशों की गिरफ्तारी और लूट की वास्तविक रकम की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।



खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापा मार नकली टमाटर केचप बनाने वाले रैकेट का किया पर्दाफाश



» बीपीएस न्यूज

खाद्य सुरक्षा के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, अहमदाबाद खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन (स्नाष्ट) ने गुरुवार को पिराना इलाके में छापा मारा। यहाँ अहमदाबाद नगर निगम (स्न) के खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक ऐसी फैक्ट्री पर छापा मारा, जहाँ नकली टमाटर केचप बनाया जा रहा था, जो सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। छापेमारी के दौरान 2,000 किलो मिलावटी उत्पाद जब्त किए गए। इस बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए-जिससे त्योहारों के साथ-साथ आम दिनों में भी लोगों की सेहत को खतरा था। अधिकारियों ने भारी मात्रा में दूषित उत्पाद जब्त किए। खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना मिली थी कि पिराना

इलाके में अवैध और अस्वच्छ तरीके से सांस बनाने का काम चल रहा है। इस जानकारी के आधार पर, स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर छापेमारी की।

वहाँ पहुंचने पर, जांच टीम को 'टेस्टी सांस' नाम से चल रही एक निर्माण इकाई (मैन्युफैक्चरिंग यूनिट) मिली। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत इस जगह को अपने कब्जे में ले लिया और वहां काम कर रहे लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। फैक्ट्री परिसर और सांस बनाने में इस्तेमाल होने वाले बर्तन बेहद गंदे हालत में थे। पूरी फैक्ट्री में ऐसा सांस बनाया जा रहा था जो इंसानों के खाने के लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं था, जिससे जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया था।

फैक्ट्री में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की जांच करने पर अधिकारी हैरान रह गए। 'टोमेटो केचप' में टमाटर का नामोनिशान तक नहीं था। यह नकली सांस निम्नलिखित चीजों को मिलाकर बनाया जा रहा था-

आलू का गूदा- इसका इस्तेमाल सांस को गाढ़ा करने और उसकी मात्रा बढ़ाने के लिए किया जा रहा था। स्टार्च पाउडर- इसका उपयोग सांस की बनावट (टेक्सचर) सुधारने और मात्रा बढ़ाने के लिए किया जा रहा था। एसिटिक एसिड- इसे सांस में कृत्रिम खट्टा स्वाद लाने के लिए मिलाया जा रहा था।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, कानपुर दक्षिण की मासिक बैठक नौबस्ता में हुई संपन्न



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, कानपुर दक्षिण की मासिक सामाजिक बैठक रविवार को प्रातः 11 बजे माँ गायत्री हॉस्पिटल, गलामंडी, नौबस्ता, कानपुर में आयोजित की गई। मासिक बैठक भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के प्रदेश महामंत्री डॉ. वी.के. साहू (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कानपुर बुंदेल खण्ड) एवं जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र साहू के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में समाज की एकजुटता, आपसी भाईचारे,

सामाजिक सहयोग, राजनीतिक भागीदारी बढे तथा संगठन को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाज के उत्थान, सामाजिक समरसता और समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने समाज में एकता, भाईचारा एवं सहयोग की भावना को मजबूत करने

और महासभा के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से रिकी साहू -महिला मोर्चा से जिलाध्यक्ष कानपुर दक्षिण, रिचा साहू - जिला मंत्री,



बिठूर में भाजपा का दौड़ा 'विजय रथ'

» राणा समरेंद्र सिंह ने 2483 वोटों से दर्ज की बड़ी जीत, समर्थकों में जश्न का माहौल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर नगर पंचायत उपचुनाव में भाजपा ने जीत का परचम लहरा दिया। अध्यक्ष पद के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी राणा समरेंद्र सिंह ने शानदार जीत दर्ज करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी आदर्श द्विवेदी उर्फ विभु को 2483 मतों से शिकस्त दी। नतीजे सामने आते ही

भाजपा समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और जीत का जश्न शुरू हो गया।

2483 वोटों का अंतर, भाजपा खेमे में खुशी की लहर बिठूर के सियासी मैदान में अध्यक्ष पद के लिए हुए उपचुनाव में राणा समरेंद्र सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त बनाते हुए जीत हासिल की। 2483 मतों के बड़े अंतर से मिली इस जीत को भाजपा खेमे के लिए अहम राजनीतिक सफलता माना जा रहा है। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी आदर्श द्विवेदी उर्फ विभु को हार का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजे घोषित होते ही भाजपा

समर्थकों के चेहरे खिल उठे। समर्थकों ने जीत की खुशी मनाई और प्रत्याशी की सफलता का जश्न मनाया। चुनावी मुकाबले के बाद बिठूर की सियासत में भाजपा की इस जीत की चर्चा तेज हो गई है।

बिठूर की राजनीति में भाजपा ने दिखाई ताकत राणा समरेंद्र सिंह की जीत ने नगर पंचायत अध्यक्ष पद के उपचुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता दिलाई है। 2483 मतों का अंतर इस चुनाव का प्रमुख आकर्षण रहा।

अब स्थानीय लोगों की निगाहें इस बात पर रहेंगी

कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष बिठूर के विकास, सफाई व्यवस्था, पेयजल और नागरिक सुविधाओं को लेकर किस तरह काम करते



हैं। फिलहाल, बिठूर में भाजपा की जीत का रंग चढ़ा है और राणा समरेंद्र सिंह की सफलता समर्थकों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

soarji

देश चलेगा सूरज से

SAHU MOTORS

9125158769

H.O: 33- W Block, Keshav Nagar, Hamirpur Road
Kapur -208014 (Near Madhulok Chauraha)

sahumotorsev@gmail.com

soarji

देश चलेगा सूरज से

RISING

SOLAR ENERGY

ONGRID, HYBRID AND OFFGRID SOLAR PROJECTS

+91-7233050533

info@solarji.co.in

www.solarji.co.in

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र) मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिंटरस गैरिड नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाली भट्टा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो. 8423454502, लट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नेट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संपादकों की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति ले 15 दिनों के अंदर भेजे।

<